I

LOK SABHA

Tuesday November, 20 1973|Kartika 29, 1895 (Saka)

The Lok Sabha met at Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

MR. SPEAKER: Yesterday we were waiting for the Prime Minister to come here to felicitate her on her birthday. But she did not come. She suddenly disappeared somewhere. I take it that we shall send to her our good-wishes on her 56th birthday.

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes.

Dieselisation of Delhi-Meerut Shuttle

*121. SHRI YAMUNA PRASAD MANDAL: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether the Delhi-Palwal shuttle has been provided with diesel engine; and

(b) if so, the reasons for not effecting dieselisation of Meerut shuttle?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI): (a) Out of the five pairs of shuttle trains running between Delhi/New Delhi and Palwal, two pairs of trains are running with diesel engines *viz.*, 373/374 hauled by a low horse powered diesel loco and 379/380 hauled by a mainline diesel loco of 21|22 Dakshin Expresses during its lieover period at New Delhi.

(b) Dieselisation of 1 NM/2 NM New Delhi-Meerut shuttles is not feasible due to the low horse powered diesels having a hauling capacity of only 10 coaches against a composition of 15 coaches for 1 NM/2 NM shuttles and main-line diesels being primarily used for goods trains and for long distance Mail and Express trains.

श्री यमुना प्रसाद मंडल : अध्यक्ष महोदय मंत्री महोदय को मालूम है कि उधर से जो गाड़ी आती है 2 एन० एम० वह भरी आती हैं । मुरादनगर और मेरठ से जिस के कारण गाजियाबाद से आने वाले हजारों कर्मचारी, जो आवास की कमी के कारण दिल्ली से बाहर उधर रहते हैं, नहीं आ पाते हैं और उनको बड़ी कठिनाई होती है । तो क्या आप 10 कोचेज के बजाय 15 कोचेज लगायेंगे ?

अध्यक्ष महोदय : यह प्रश्न कहां से निकाल लाये आप ?

श्री यमुना प्रसाद मंडल : क्या यह सही नहीं है कि 10 बोगीज के बजाय उसमें 15 बोगीज लगा दें ? क्या अभी आप ज्यादा बोगीज इसलिये नहीं लगा रहे हैं कि पैसेन्जर्स की कमी है ?

अध्यक्ष महोदय : आपने पूछा डीजल इंजन लगाया जायगा कि नहीं । यह प्रश्न आप कहां से निकाल लाये ?

श्री मुहम्मद सफ़ी कुरेशी : जो शटल इंजन है इस की हौर्स पावर 700 की है । तो मैक्सिमम कैपेसिटी इसकी 10 कोचेज की है उससे ज्यादा नहीं बढ़ायी जा सकती ।

श्री शंकर दयाल सिंह : मान्यवर, यह प्रश्न तो बहुत ही साधारण है, लेकिन मैं चाहता

हूं कि इसका महत्व बढ़े, इसलिये मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि देश में कितने डीजल इंजन हैं, कितने स्टीम इंजन और कितने बिजली के इंजन हैं ? इसमें कहीं भी तोड़ मरोड़ की गुजाइश नहीं है, इसलिये आप बिस्तार से पूछने की इजाजत दें ।

अध्यक्ष महोदय : मैं इजाजत नहीं देता हूं ।

श्री शंकर दयाल सिंह : डीजल का दाम नहीं बढ़ा है तो अधिकांश गाड़ियों का डीजल-इंजेशन किया जायगा जिससे गाड़ियां तेज चल सकें और कोयले की कमी भी पूरी हो सके ?

श्री मुहम्मद शफी कुरेशी : रेलवे का प्रोग्राम यही है कि स्टीम इंजन को कम करें और डीजल इंजन ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें ।

अध्यक्ष महोदय : यह सवाल कहां पैदा होता है ? पूछने वाले से बताने वाला ज्यादा बैचेन है ।

ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए अमरीकी सहायता

*122. **श्री चन्दूलाल चन्द्राकर :**
श्री शिवकुमार शास्त्री :

क्या सिंचाई और विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अमरीका ने भारतीय गांवों में बिजली लगाए जाने के लिये कोई सहायता दी है ;

(ख) यदि हां, तो कितनी सहायता दी है तथा उस पर क्या शर्तें लगाई हैं ; और

(ग) इस सहायता से कितने गांवों में बिजली लगाये जाने की संभावना है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री सिद्धेश्वर प्रसाद) : (क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

विवरण

(क) जी, नहीं ।

(ख) अमेरिका ने अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण के माध्यम से ग्राम विद्युतीकरण निगम (सिंचाई और विद्युत मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में 1969 में गठित एक कम्पनी) को 105 करोड़ रुपये का अनुदान दिया है । यह अनुदान, निगम द्वारा राज्य बिजली बोर्डों को उनके द्वारा शुरू की गई ग्राम विद्युतीकरण स्कीमों के लिये और देश में स्थापित की गई ग्राम बिजली सहकारिताओं को ऋण देने के लिये है ग्राम विद्युतिकरण निगम और अमेरिका अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण के मध्य हुये समझौते के अनुसार यह अनुदान तब दिया जायगा जब भारत सरकार 45 करोड़ रुपये का ऐसा ही अनुदान देगी । निगम के कार्य के प्रथम पांच वर्षों के दौरान उसके क्रियाकलापों, प्रचालन और कार्य सम्पादन पर अर्द्ध-वार्षिक रिपोर्ट अमेरिका अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण को भेजी जायेगी । चिट्ठा (बैलेंस शीट) और लाभ हानि खाते का विवरण भी अमेरिका अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण को वर्ष में एक बार उपलब्ध करने होंगे । अमेरिका अन्तर्राष्ट्रीय विकास के प्रतिनिधियों को अनुज्ञा होगी कि निगम के प्रचालन का जिसमें किसी रिकार्ड या खातों का निरीक्षण और लेखा परीक्षा जो उनके द्वारा दिये गये धन के संबंध में हो, करना भी शामिल है, अवलोकन कर सकें ।

(ग): ग्राम विद्युतीकरण निगम अनुदान और भारत सरकार द्वारा दिये गये धन में से ऋण देता है । अतः अमेरिका से प्राप्त केवल अनुदान भाग से लाभान्वित हुये ग्रामों की संख्या बतलाना संभव नहीं है । निगम ने अब तक राज्य बिजली बोर्डों के लिये 532 ग्राम विद्युतीकरण स्कीमें और एक-एक स्कीम देश